अन्तर्राष्ट्रिय आर्य महासम्मेलन

25 से 28 अक्टूबर 2018

दिल्ली (भारत) के तत्त्वावधान में

संस्कृत विभाग

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सान्ध्य)

(दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा समायोजित

द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

27-28 अक्टूबर 2018

विषय - वर्तमान शिक्षा और वेद

स्थान : स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली (भारत)

इस अवसर पर निम्न विषयों पर विद्वानों एवं शोध छात्रों के मौलिक शोध-पत्र सादर आमन्त्रित हैं -

1. कम्प्यूटर में संस्कृत की प्रासंगिकता
2. आधुनिक शिक्षा में वेद का महत्व
3. यज्ञ विज्ञान एवं पर्यावरण
4. वैदिक राष्ट्रवाद और महर्षि दयानन्द

*** संगोष्ठी हेतु आवश्यक निर्देश**

1. शोधसार सहित शोधपत्र भेजने की अन्तिम तिथि - 20 सितम्बर 2018
2. शोधपत्र इस ईमेल आई डी पर भेजें – **sktintconference@gmail.com**
3. पञ्जीकरण प्रक्रिया - आपको पञ्जीकरण दो जगह (3.1, 3.2) करवाना होगा-

3.1 शोध संगोष्ठी हेतु पञ्जीकरण करवाने का ऑनलाइन लिंक https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfpAMjlwODfc3NZwnysd53j_ZUTHutMSgLmLr-8kie7aVc36Q/viewform है।

* इस लिंक पर जाकर अतिथि, प्राध्यापक एवं शोधार्थी अपना पञ्जीकरण (जानकारी दें) अवश्य करें। यह अत्यावश्यक है। इस पञ्जीकरण में आपको अपनी जानकारी देनी है, यहाँ कोई शुल्क जमा नहीं करना।

* पञ्जीकरण शुल्क - प्राध्यापक-500 रु., छात्र-300 रु. सम्मेलन में 27 अक्तूबर, 2018 को प्रातः उद्घाटन सत्र से 2 घंटे पहले जमा करवाना होगा। इस समय पञ्जीकरण का प्रमाण व शोध-पत्र की हार्डकॉपी भी जमा करवानी आवश्यक है।

3.2 इसके अतिरिक्त आवास, भोजन एवं आवागमन की सुविधा अन्तर्राष्ट्रिय आर्य महासम्मेलन की ओर से निःशुल्क की जायेगी। इसके लिये आपको www.aryamahasammelan.org वेबसाइट पर अग्रिम पञ्जीकरण भी करवाना आवश्यक है।

* भ्रमण की सुविधा अतिरिक्त शुल्क पर उपलब्ध होगी।

4. शोध पत्र भेजने के नियम -

क. शोधसार के साथ पूर्ण शोधपत्र सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची सहित Word और PDF दोनों फाइल अवश्य भेजें। पासपोर्ट साईज की फोटो भी भेजें।

ख. केवल शोधसार अथवा अपूर्ण लेख मान्य नहीं होगा।

ग. अपने शोधविषय का क्रमाङ्क अवश्य लिखें। जैसे (3) यज्ञ एवं पर्यावरण

घ. फोन्ट प्रयोग - हिन्दी व संस्कृत के लिए वाक्मैन चाणक्य-905 में ही भेजें। यह सम्भव न होने पर कृतिदेव-10 में भेज सकते हैं। अंग्रेजी भाषा के लिए Times New Roman फोन्ट का प्रयोग करें। पेज साइज-A-4, लाइनस्पेस सिंगल हो। शोध-पत्र की भाषा हिन्दी, संस्कृत या अंग्रेजी हो।

ङ. शोधपत्र लगभग 2000 से 4000 शब्दों में अर्थात् 6 से 10 पृष्ठ में हो।

च. ध्यान रहे कि शोधपत्र पहले कहीं प्रकाशित नहीं होना चाहिए। शोधपत्र में मौलिकता नितान्त अपेक्षित है।

5. शोधपत्र वाचन के नियम -

क. अधिकतम समय 10 मिनट। PPT की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

ख. सम्पूर्ण लेख को पढ़ने की अपेक्षा मौलिक एवं महत्वपूर्ण विषय को ही स्पष्ट करें।

* सर्वोत्कृष्ट शोधपत्र एवं प्रस्तुति को प्रोत्साहित किया जायेगा।

6. संगोष्ठी समिति द्वारा चयनित शोध-पत्रों को ISBN अंक के साथ पुस्तक में प्रकाशित किया जायेगा। अतः शोधपत्र शुद्ध, स्पष्ट एवं समयानुसार भेजें।

7. संगोष्ठी की जानकारी PGDAV (Eve.) College की वेबसाइट http://www.pgdaveve.in/ पर अथवा संस्कृत विभाग के http://pgdavesanskrit.blogspot.com/ लिंक में जाकर भी मिल जायेगी।

* यह शोध-संगोष्ठी अन्तर्राष्ट्रिय आर्य महासम्मेलन का ही एक अंग है। इसकी अधिकांश सुविधाएँ व व्यवस्थाएँ भी संयुक्त रूप से रहेंगी। महासम्मेलन की सम्पूर्ण जानकारी विस्तारपूर्वक जानने के लिये www.aryamahasammelan.org वेबसाइट देखें।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : डॉ. अङ्कुर त्यागी- 9971988058

डॉ. राजेश कुमार- 9891526584, 9555666907; विमलेश त्रिपाठी- 9871555810

डॉ. सत्यकाम शर्मा	**योगेश शर्मा**	**डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता**
संगोष्ठी संयोजक	*सह-संयोजक*	*प्राचार्य एवं निदेशक*